राज
कॉमिक्स विशेषांक
मूल्य 20.00 संख्या 385
आतंकवादी नागराज

सुप्रीम हैड द्वारा अगवा की गई भारती की तलाश में नागराज ने एक एक करके अफगानिस्तान, अफ्रीका और अमेरिका के आतंकवादी ठिकानों को तबाह कर दिया। लेकिन न तो वह आतंकवादियों के रहस्यमय सरगना के नजदीक पहुंच पाया और न ही भारती को ढूंढ पाया। आखिरकार अमेरिका के लिबर्टी आइलैंड में स्थित स्वतंत्रता की देवी के हाथ में थमी मशाल के अंदर मौजूद आतंकवादियों की सरगना पोल्का तक नागराज जा पहुंचा। उसी पोल्का तक जिसने अपनी एक हमशक्ल को बेनवाश करके नागराज के साथ-साथ लगा रखा था। नागराज पर, मशाल के अंदर ही, पोल्का ने एक किरण द्वारा हमला किया और नागराज चकरा कर वहीं नीचे गिर पड़ा। और पोल्का ने नागराज को बनाने की ठान ली...

आतंकवादी नागराज

संजय गुप्ता की पेशकश

कथाः	चित्रः	इंकिंगः	सुलेख एवं रंगसज्जाः	सम्पादकः
जॉली सिन्हा	अनुपम सिन्हा	विनोदकुमार	सुनील पाण्डेय	मनीष गुप्ता

● इस सच को विस्तार से जानने के लिए पढ़ें: ऐलान ए जंग, काली मौत और नागराज अमेरिका में।

● इस संबंध में विस्तार से जानने के लिए पढ़ें: नागराज

आ... आप नागराज पर अपनी जीत की खुशी में शायद उनको भूल गई हैं!...
तुम सब चारों तरफ से घिर चुके हो! हथियार डाल दो, क्योंकि भागने के सारे रास्ते बंद हो चुके हैं!
अ... अब हम क्या करेंगे मैडम?
जो भी करेंगे वह हम ही करेंगे! इन मूर्ख पुलिसवालों को यह बात समझ में क्यों नहीं आती है कि अगर हम यहां पर अड्डा बनाने की क्षमता रखते हैं तो उस अड्डे की सुरक्षा करने की क्षमता भी रखते हैं!
ओ गॉड! ये तो हम पर लेसर बमों से हमला कर रहे हैं!... अब तो पलट कर जवाब देना ही होगा। चाहे स्टेच्यू ऑफ लिबर्टी को नुकसान पहुंचे या नहीं।
ग्राउंड यूनिट! आप तुरन्त कार्यवाही करें!
बड़ाम

आदेश मिलते ही जमीन से हवा में मार करने वाली एंटी एयरक्राफ्ट गन ने मशाल पर निशाना साध लिया-

और एक अचूक लेसर गाइडेड मिसाइल मशाल की तरफ रवाना हो गई-

अब इंतजार करो उस कयामत का जो आतंकवादी नागराज के रूप में दुनिया पर टूटने वाली है! अब आर-पार की जंग होगी! और आतंकवाद की जीत होगी!
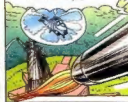
तेजी से उड़ती मशाल जल्दी ही क्षितिज में घुल-मिल गई-

आतंकवाद सारी दुनिया को अंगूठा दिखाते हुए अपने एक बड़े मकसद में कामयाब हो गया था-
आतंकवाद का सबसे बड़ा दुश्मन नागराज आज खुद फिर से एक आतंकवादी बन गया था-
ये लो, ना... सॉरी, सॉरी... मैं भूल गई थी यहां पर तुम्हारा नाम नहीं लेना है। लो, मैंने तुम्हारे प्लान को कामयाब बना दिया है!
अपना पार्टनर बनाते वक्त तुमसे यही उम्मीद थी पोल्का! मुझे यकीन था कि तुम नाकामयाब नहीं होगी।
लेकिन दिमाग पर हुए असर की वजह से कहीं नागराज की नागशक्तियां क्षीण या नष्ट तो नहीं हो जाएंगी!
नहीं पार्टनर! नागराज की सारी शक्तियां दुरुस्त हैं! सिर्फ इसके सोचने का तरीका बदल गया है! अब यह सिर्फ विनाश के बारे में सोचेगा!
बस, एक गड़बड़ है। हम इसको कंट्रोल नहीं कर सकते हैं! यह वही करेगा जो यह खुद करना चाहेगा!
इसको कंट्रोल करने की जरूरत है भी नहीं, पोल्का! क्योंकि यह अपने आप वही काम करेगा जो हम इससे करवाना चाहते हैं! विनाश!
यह जो भी करेगा उससे आतंकवाद ही फैलेगा! और इस दौरान हम इसको कंट्रोल करने का भी कोई न कोई तरीका ढूंढ ही निकालेंगे!

भारती का अब क्या करना है?
भारती ने अभी तक 'भारती कम्युनिकेशंस' के कागजों पर दस्तखत नहीं किए हैं! और उसकी हालत भी अब ठीक नहीं है!
तो फिर छोड़ो भारती कम्युनिकेशंस को हथियाने का इरादा और भारती को खत्म कर दो! हम किसी और तरीके से अपना काम चला लेंगे!
तुम अभी तक मुख्य बात नहीं समझ पाई हो, पोल्का! नागराज चाहे अभी हमारे कब्जे में है, लेकिन फिर भी नागराज का खतरा अभी भी बना हुआ है!
भारती वह कवच है जो नागराज से हमेशा हमारी रक्षा करेगा, जब तक हम नागराज को मार नहीं देते, तब तक हमको भारती को भी जिन्दा रखना होगा!
तुम नागराज पर ध्यान दो!
नागराज का पहला काम तय हो चुका है! इसके हाथों से तबाही का तांडव वहीं से शुरू होगा जहां की सुरक्षा का भार इसने खुद अपने कंधों पर लिया हुआ था...
... महानगर में...
ओह! ये तो हैरोइन बेचने का वही अड्डा है, जिसको मैंने नागराज के रूप में एक हफ्ते पहले तबाह कर दिया था, लेकिन यहां पर तो धंधा फिर से चालू हो गया है! और वह भी जोर-शोर से!
इन नशे के सौदागरों को जरूर कोई शह दे रहा है! अपने आप ये ऐसा करने की हिम्मत नहीं कर सकते! पता करना पड़ेगा कि इनके पीछे किसका हाथ है!...
...और फिर... उस हाथ को तोड़ना होगा!
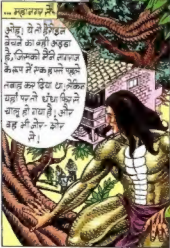
अरे, वाह! ये तो एकदम खालिस हेरोइन है! और वह भी एकदम सस्ते भाव पर! दस पैकेट दे दे!
धंधा दुबारा शुरू होने की खुशी में भाई डिस्काउंट दे रहा है! दवा के खरीद और स्कूल के लिए पब्लिक को!
ये ले भाई!
स... सांप! सांप यानी...
यार, जब इतना डिस्काउंट है तो मैं भी पचास सौ पैकेट खरीद ही लूं!
खरीद ले, खरीद ले! चल पचास हजार निकाल पचास पैकेट के!
नागराज!
नागराज! पर... पर ये कैसे हो सकता है! नागराज तो... शायद खेल उल्टा पड़ गया है! नागराज हमको बेवकूफ बना गया! ताकि हमको रंगे हाथों पकड़ सके!
लगता तो यही है, मिडू!
क्या बक रहे हो! मैंने तुमको कब बेवकूफ बनाया? शायद ये हेरोइन तुम लोगों ने खुद भी थोड़ी-थोड़ी चख ली है!
और अगर नहीं चखी है तो मैं तुमको अभी दिखाता हूं कि अगर तुम इसे चख लेते तो तुम्हारा क्या होता!

भाग, भिड़ू! अपुन अभी पेरोल पर छूटेला है! पकड़े गए तो सज़ा डबल हो जाएगी!
ओ! ये क्या हुआ? पैर लड़खड़ा रहे हैं! लगता है जैसे हमारे पैरों में जान ही नहीं है!
नशेड़ियों को ऐसा ही लगता है! उनको नशे की वजह से ऐसा लगता है! लेकिन तुमको ऐसा इसलिए लग रहा है क्योंकि मैंने तुम्हारे पैरों की मांसपेशियों की ताकत को खत्म कर दिया है!
अरे, अपने भाई को नागराज ने डबल क्रॉस कर दिया! पहले प्रोटेक्शन देकर धंधा शुरू कराया, और फिर पकड़ने आ गया, रंगे हाथों!
भाई!
क्यों चिल्ला रहा है, पोड़या? अरे! क्या हुआ तुमे?
अपुन को शक था! पहले से शक था! इसलिए अपुन तैयारी करके बैठेला था! संभल रे नागराज!
नागराज ने अपुन को डबल क्रॉस किएला है, भाई! वो अपुन को पकड़ने आया है!
आऽऽऽह! ये बार-बार ऐसा क्यों कह रहे हैं, जैसे मैंने इनसे पहले मिलकर इनको प्रोटेक्शन देने का वादा किया था?
क्या बेवकूफी कर रहे हो भाई? नागराज पर गोली-बारूद असर नहीं करता!

इस गोली में बारूद नहीं है पोद्दया! बल्कि सांप का विष उतारने वाली बूटी की भस्म भरी हुई है। यह भस्म नागराज के शरीर के अंदर जाकर इसके विष को नष्ट कर देगी।
यह कमजोर हो जाएगा और उस हालत में हम इसकी गर्दन को आसानी से काट सकेंगे।
ओह! मैं अभी क्राइम फाइटिंग में नया ही हूं! नागराज जैसा अनुभव नहीं है मुझमें!
अगर होता तो मैं पहले इन पर काबू पाने की सोचता फिर इनकी बातों पर गौर करता!
आहह! मुझको विष की कमी के कारण कमजोरी लग रही है। विष की कमी के कारण नागि की शक्तियां भी क्षीण हो रही हैं! मुझे संभलने में थोड़ा वक्त लग सकता है! और इतनी देर में यह तलवार मेरी गर्दन उड़ा सकती है! अब मुझे कौन बचाएगा ?
आह! ये बचाएगा मुझे!
तलवार घूमी-
लेकिन तलवार और नागराज के बीच में हेरोईन के पैकेटों की लड़ी आ गई-
पैकेट कटते चले गए और वातावरण हेरोइन के पाऊडर से भर गया-
आ.SSS छीं!

आहह! आऽऽऽह, मुझे... मुझे चक्कर आ रहे हैं. सारी हेरोईन मांस के रास्ते से मेरे फेफड़ों में चली गई है.

यही तो मेरा प्लान था, भाई, कि तुमको तब तक चक्कर आते रहें जब तक मुझे चक्कर आने बंद न हो जाएं; अब मेरी फुर्ती मेरा मतलब है शक्ति वापस आ गई है.

अब मैं तुम्हारी नशे की इस लंका का नाश करूंगा. हनुमान जी की तरह अपनी दुम की आग से जलाकर.

अब ये जलती पूंछ कहां से आ गई? अरे कम से कम ये मकान तो मेरे बुढ़ापे के लिए छोड़ दे नागराज, मकान में रखा माल चाहे जल जाए पर मकान की दीवारें तो रहने के लिए सलामत रहें!

भाई, जलते मकान के अंदर कोई है

अबे नशा मुझे हुआ है या तुझे, तुम दोनों के अलावा मकान के अंदर तो सिर्फ माल था. हह ह. मेरा करोड़ों का माल हंड्रेड परसेंट डिस्काउंट पर चला गया.

नहीं, भाई, पोट्या सही कह रहा है.

कोई बाहर आ रहा है.

और मकान में लगी आग भी बुझ रही है!

और नागराज अपना वादा हमेशा पूरा करता है!... अगर मैं इसी तरह से नशे की दुकानों को बंद होता देखता रहा तो आतंकवाद को बढ़ाने के लिए पैसा कहां से आएगा?
तुम सब फिलहाल यहां से जाओ! इससे मैं निपटता हूं.
नागराज, तुम... तुम यहां कब आए? और तुम आतंकवाद की हिमायत कब से करने लगे?
दो... दो नागराज. ये क्या चक्कर है? कुछ समझ में नहीं आ रहा है!
मुझे चक्कर समझ में नहीं आ रहा है, और मुझे सिर्फ चक्कर आ रहे हैं; फिलहाल तो अपने वाले नागराज ने कहा है भाग तो भाग!
दो- दो नागराज जब टकराएंगे तो यहां पर भूचाल आ जाएगा.

नागराज ये क्या हो गया है तुमको ? आतंकवादियों ने किसी तरह से तुम्हारा ब्रेनवॉश कर दिया है. संभालो अपने आपको और पहचानो मुझे. मैं नागू हूं, जिसको तुम अपनी अनुपस्थिति के दौरान, महानगर में नागराज बनाकर छोड़ गए थे. पहचाना मुझे नागराज ?
मैं तुमको भूल ही कब था नागू, तेरे जैसे निकम्मे फिल्मी कीड़े को भला कौन भूल सकता है. अब अपना असली रूप धारण कर और दुम दबाकर भाग जा यहां से। वर्ना तुम जैसे आतंकवाद के दुश्मन को नागराज दबाकर पानी बना देगा.
आssssह!
आतंकवादियों ने नागराज को ही अपना गुलाम बना लिया है. लेकिन नागू ऐसा नहीं होने देगा.
नागराज ने महानगर की सुरक्षा और आतंकवाद के विनाश की शपथ ली हुई है!
और इस वक्त नागराज नागू है. मैं हूं. मैं रोकूंगा नागराज को और इसको मुक्ति दिलाऊंगा आतंकवाद के शिकंजे से.
मेरी नाग शक्ति के सामने नागराज टिक नहीं पाएगा.
तू अभी बच्चा है नागू. लड़ाई के मामले में कच्चा है; नागराज कुछ भी भूला नहीं है. तेरी सारी शक्तियां याद हैं मुझको. देख मैं तुझको बताता हूं कि लड़ाई कैसे लड़ी जाती है!
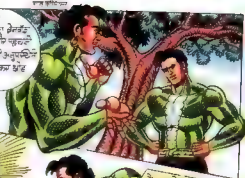
ये लड़ाई मैं अब नागराज के रूप में नहीं लड़ सकता, क्योंकि इस रूप में रहने पर मेरी मणि की शक्ति सिर्फ नागराज की शक्तियों की प्रतिलिपी ही बना सकती है! और मेरी नकली नागशक्तियां, नागराज की वास्तविक नाग-शक्तियों से कभी जीत नहीं सकती. मुझको अपना असली रूप धारण करके नागराज पर 'मणि-किरणों' से हमला करना होगा.
चल, तूने मेरी असली रूप में आने वाली सलाह तो मान ली
इस रूप में मेरे पास दुम नहीं है, नागराज! सिर्फ 'मणि शक्ति' है
और मणि की शक्ति किरणों के सामने तुम्हारी नागशक्तियां ठहर नहीं सकतीं!
तुम्हारी नागशक्तियां नष्ट करके मैं तुमको बंदी बनाऊंगा और फिर तुमको आतंकवादियों के कंट्रोल से आजाद कराऊंगा.
और इस हमले की शुरुआत करेगा मेरा किरण प्राणी विषकाट, जिसमें विष को नष्ट करने की अद्भुत शक्ति है.
आऽऽऽह. इसके हाथ तो मेरे शरीर के अंदर तक घुसे जा रहे हैं!
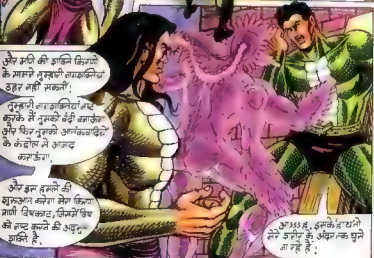
और मेरे विष को नष्ट भी कर रहे हैं. ऐसा मुझे साफ महसूस हो रहा है क्योंकि मुझे कमजोरी आ रही है और मेरी कमजोरी मुझे सिर्फ विष की कमी के कारण ही आती है
इसलिए तुम्हारी कमजोरी बढ़ाने में मुझे भी विषकाट की मदद करनी पड़ेगी.
बड़े दिनों बाद दिमाग का इस्तेमाल करके मैंने कोई प्लान बनाया है, वर्ना नागशक्ति के रहते तो प्लान बनाने की जरूरत ही नहीं पड़ती थी.
जितनी कमजोरी बढ़ेगी तुम उतनी ही जल्दी बेहोश होकर मेरे बंदी बनोगे नागराज...
तेरी मणि को ही मैं नष्ट कर दूंगा, नागू. फिर न रहेगी मणि और न रहेगी इसकी शक्ति.
ये कोशिश तुम पहले भी एक बार कर चुके हो नागदंत, लेकिन मणि को इस ब्रह्मांड की कोई भी ताकत नष्ट नहीं कर सकती है.
अच्छा किया जो तूने मुझको उस लड़ाई की याद दिला दी. उस समय मैंने तेरी मणि के सामने धुंआ करके तेरी मणि की किरणों को अपने तक पहुंचने से रोक दिया था.
मैं आज भी यही करूंगा.

उसने सूर्य के प्रकाश में से 'पराबैंगनी' किरणों को अलग करके उनसे विषकवच बनाया है क्योंकि पराबैंगनी किरणों में सूक्ष्म जीवाणुओं के मरने की आश्चर्यजनक क्षमता होती है. और मेरे सूक्ष्म सर्प भी मेरे शरीर के अंदर जीवाणुओं के साइज में रहते हैं.
नागराज ने योजना बनाई तो थी, लेकिन न जाने उसमें योजना पर अमल करने लायक ताकत थी भी या नहीं.
आहा, तुम्हारे ध्वंसक सर्प तो निशाने पर लग ही नहीं रहे हैं! अब तुमको बेहोश होने में ज्यादा देर नहीं है.
मेरे ध्वंसक सर्प ठेले में लदी रेत को गर्म कर रहे हैं. रेत के गर्म होने से रेत पिघलती है...
सही जगह पर लग रहा है नागू.
यानी अगर पराबैंगनी किरणें नागू की मणि तक न पहुंचने दी जायें तो ये विषकवच भी नष्ट हो जायेगा. पर पराबैंगनी किरणों को रोकूं कैसे? ये किरणें तो किसी भी चीज की परछाईं तक में नहीं रुकते हैं.
जिसकी परछाईं नहीं बनती
कोई बात नहीं, एक बार चूक गया तो क्या हुआ? मेरी शक्ति अभी भी सलामत है. मैं अब और घातक वार करूंगा.
...और कांच बनता है.
और कांच एक ऐसा पदार्थ है जो खुद तो अपनी परछाईं नहीं बनाता, लेकिन अल्ट्रा वायलेट यानी पराबैंगनी किरणों को रोक लेता है.
अब जब पराबैंगनी किरणों से तुम्हारी मणी का संपर्क कट गया है तो उन किरणों से बना विषकवच भी अपने आप नष्ट हो जायेगा!
उसका मौका तुमको शायद न मिले, नागू! क्योंकि तुम जहां पर खड़े हो...

यहाँ की जमीन को मेरे सर्प खोद चुके हैं। जमीन के नीचे तुम्हारी माटी शक्ति तुम्हारी मदद नहीं कर पाएगी, और मैं तुमको यहां से जिन्दा बाहर निकलने नहीं दूंगा. तुम्हारी कब्र यहीं पर बनेगी.
ये क्या पागलपन है, नागराज? होश में आओ!
मैडांगी, तुम भी!
हां, नागराज, मैं ने यहां पर नड़ो के सौदागरों के खिलाफ नागू की मदद करने आई थी. मुझे सपने में भी यह ख्याल नहीं आया था कि नशे के सौदागरों के बजाय मुझे तुमसे लड़ना पड़ेगा!
लड़ने की शुरुआत नागू ने की थी. अगर तुम भी नागू के साथ यहीं पर दफन होना चाहती हो तो लड़ाई की शुरुआत कर सकती हो.

मैं तुमसे लड़ना नहीं चाहती नागराज तुम सिर्फ नागू को जमीन से बाहर निकलने दो और फिर ये बताओ कि आखिर तुम नागू के सौदागरों की मदद क्यों कर रहे हो ?
नागराज किसी सवाल का जवाब नहीं देगा, मैं जा रहा हूं। अगर नागू जिन्दा बचा होगा तो उसे बाहर निकाल लो वर्ना लाश को बाहर निकालने से भला क्या फायदा.
नागू का सिर्फ सिर बाहर निकालने से फिलहाल काम चल जाएगा, बाकी का समय...
...मैं तुमको रोकने में लगाऊंगी.
सौडांगी की कांटेदार दुम ने नागराज को चीखने पर मजबूर कर दिया-
और इस चीख ने-
पोल्का को चिंतित कर दिया-
चलो, दूसरे नागराज का रहस्य तो खुला लेकिन मुझको यह नहीं पता था कि ये दोनों सांप नागराज के शरीर के बाहर हैं; नागराज इनसे निपट तो लेगा न ?
निपट लेगा, लेकिन इससे एक बात तो पक्की हो गई, तुम्हारी किरण ने काम किया है, वर्ना नागराज आतंकवादी बनकर अपने ही सांपों पर कभी वार नहीं करता
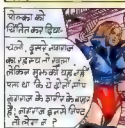
सौडांगी के कांटों ने नागराज के शरीर को छलनी कर दिया था; और कांटे, शरीर में घुसे रहने के कारण नागराज के घाव भर भी नहीं पा रहे थे-
ओफ़! ये कांटे तो मुझको असहनीय पीड़ा पहुंचा रहे हैं मैं कुछ भी सोच नहीं पा रहा हूं.
और मैं तुमको बंदी बनाकर तुमसे उस शख्स का नाम जान सकूं, जिसने तुमको इस हाल में पहुंचाया है.
और फिर उससे तुम्हारे सामान्य होने का तरीका उगलवा सकूं.
यही तो मैं चाहती हूं कि तुम कुछ सोच न पाओ.
आऽऽऽह, तुमने मुझे छेड़कर बहुत बड़ी गलती की है, सौडांगी.
अब मैं तुमको... ...आऽऽऽह.
मैं... मैं बाहर नहीं निकल पा रहा हूं; इस गोले में फंसकर रह गया हूं!
तंत्र तुम्हारी कमजोरी है, नागराज और सौडांगी तंत्र विद्या की धनी है. मेरी इच्छाधारी तंत्र शक्ति की तुम्हारे पास कोई काट नहीं है.

अब ये गोला छोटा होता जाएगा, और तुमको अपने शिकंजे में कस कर बेहोश कर देगा अगर तुम अपनी इस दुर्दशा से बचना चाहते हो तो बता दो मुझे उसका नाम जिसने तुम्हारा ब्रेनवाश करके तुमको अपराधियों का सहयोगी बना दिया है.
तंत्र शक्ति की तो नागराज के पास सचमुच कोई काट नहीं है पार्टनर. नागराज ने कोई बड़ा हादसा करने से पहले ही पकड़ा जाएगा.
नागराज अपनी
भरपूर कोशिश कर रहा था-
इच्छाधारी कणों में बदलना भी तुमको बचा नहीं पाएगा नागराज, क्योंकि तुम्हारे इच्छाधारी कण भी इस 'तंत्र-गोले' के पार...
...नहीं जा सकते.
जिसको मरने का तरीका मैं और तुम नहीं खोज पाए उसको भला ये नागिन क्या मारेगी?
तुम इस लड़ाई का मजा लो और नागराज का कमाल देखो.
अरे! नागराज तो धूल के गुबार में से गायब हो गया है!

नहीं! नागराज अंदर ही है. इसके तड़पने में जो धूल का गुबार उठ रहा था उसने इसको कुछ पलों के लिए छिपा लिया था. वही तो मैं सोच रही थी कि भला मेरे तंत्र घेरे के पार नागराज आ कैसे सकता है! अब इसके बेहोश होने में ज्यादा वक्त नहीं है.
लो, बेहोश हो गया नागराज! अब मैं इसको तंत्र घेरे से बाहर निकालकर स्नेक पार्क के डायरेक्टर के पास ले जाती हूं. वे ही नागराज के दिमाग का इलाज करें...
.. अरे.
ये... ये तो नागू है. ये यहां पर कैसे आ गया?
और नागराज कहां गया?
नागराज यह है, लेकिन
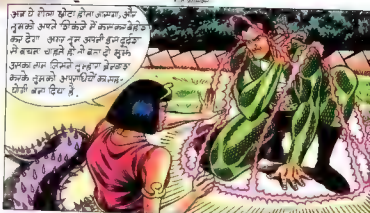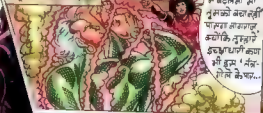
तुम्हारे तंत्र-गोले का असर जमीन के ऊपर ही था, नीचे नहीं. यह बात समझ में आते ही मैं इच्छाधारी कणों में बदलकर जमीन की दरार में घुसकर आजाद हो गया.

लेकिन उधर नागू भी होश में आ रहा था. मैंने सुरंग के जरिए नागू को तुम्हारे तंत्र गोले के बीच ला पटका. और जब तक तुम्हारी तंत्र किरणों ने नागू को बेहोश किया, तब तक मैंने अपनी शक्ति को वापस बटोर लिया.

तू होश में आ गया, नागू! शुक्र है भगवान का. लेकिन हमारा बचना मुश्किल है, क्योंकि ये ध्वंसक सर्प एक विशेष प्रकार के ध्वंसक सर्प हैं, जो फटते वक्त नागराज के विष की फुहार भी हवा में फैला देते हैं. ऐसे अगर कोई सीधे वार से बच भी गया, तो विषगंध उसे नहीं छोड़ती.

जैसे हमको नहीं छोड़ रही है. मुझ पर बेहोशी छा रही है.
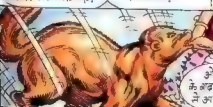
मेरा 'मणि कवच' विष फुंकार को रोक नहीं पा रहा है.
और अब मेरे बेहोश होने के साथ-साथ 'मणि-कवच' भी नष्ट हो रहा है.
नागराज के नागफनी सर्प सौडांगी और नागू को काट डालने के लिए आगे लपके -
लेकिन उस किरण ने उनको बीच में से ही पलटने को मजबूर कर दिया -
ये... ये किसने किया ?
तुझे जिन्दा रहने के लिए सांस लेने की जरूरत पड़ती है, इसलिए तेरा कवच हवा को छानकर अंदर भेजता रहता है.
लेकिन मेरी विष लहरों को तेरा कवच भी पूरी तरह से छानकर अलग नहीं कर सकता. अब तुम दोनों मरोगे.
शिकांगी लेवल
ओह. इनके दम घुटने के बाद ये सेर वक्त पर कहाँ से आ धमका.
अब मैं कुछ नहीं कर सकता. मुझे यहाँ से जाना होगा.

झिकांगी नेवला, इसने हमारी जान बचाई, पर कैसे? झिकांगी नेवले में ऐसा क्या है जो नागराज तक को भागने पर मजबूर कर दे?
पता नहीं, नागू! ये शायद उस वक्त की बात है जब मैं नागराज के शरीर से बाहर नहीं आती थी.
फेसको भी चकित थी-
ये झिकांगी नेवला क्या बला है, डॉक्टर?
नाम तो सुना है, पर इसके बारे में मुझे ज्यादा नहीं पता
क्या इसमें सचमुच इतनी शक्ति है कि नागराज तक का रास्ता रोक सके.
कुछ कह नहीं सकते पोल्को, लड़ाई पर नजर रखो, जरूरत पड़ी तो हमको नागराज की मदद करनी होगी.
ओह, झिकांगी, तू मेरे पैरों को धरती से उठने ही नहीं दे रहा है. तूने मुझको पैरों के जरिए धरती से चिपका दिया है.
भी इस पकड़ से छूट नहीं पा रहा है.
अगर ऐसा है तो मुझको...
... अपने पैरों को ही हटाना होगा! नागरूप धारण करना होगा
क्योंकि नाग के पैर नहीं होते. फुस्स्स्स
और अब मैं तुमको चमत्कारी शक्तियां प्रयोग करने का मौका ही नहीं दूंगा.

ओफ़, ये नेवला नागराज को भी मार जाएगा कुछ करना होगा.
'सेटेलाइट स्टार्स' का इस्तेमाल करती हूं, वह नेवले को जड़ कर दूंगी, तब नागराज उसको आसानी से मार सकेगा.
संभलकर, पोल्का! दोनों इस वक्त एकदम पास-पास हैं. अगर ये किरण नागराज को लग गई तो नागराज नेवले के हाथों मारा जाएगा.
सही कहा, इन दोनों के अलग अलग होने का इंतजार करना होगा

शिकांगी और नागराज अभी तक एक-दूसरे से गुंथे हुए थे-

सम्मोहन की शक्ति. और इस वक्त इसकी आंखें मेरी आंखों के इतनी पास हैं कि ये मेरी सम्मोहन किरणों से बच ही नहीं सकता.
प्रचंड सम्मोहन शक्ति ने पलभर में शिकांगी को सम्मोहित कर दिया-
और शिकांगी की पकड़ ढीली हो गई-

शिकांगी के शिकंजे से आजाद होते ही नागराज सामान्य रूप में आ गया-
अब मैं तुमको टमाटर की तरह पिचका दूंगा, शिकांगी.
नागराज का बूट तेजी से नीचे आया-

नागराज का रास्ता रोकने वाले कुछ लोग भी थे-
अरे, अंदर कहां जा रहे हो? बिना 'सिक्योरिटी क्लियरेंस' के तुम परमाणु संयंत्र के अंदर नहीं जा सकते...
लेकिन वे नागराज के लिए मच्छरों से ज्यादा और कुछ नहीं थे-
मुझे 'सिक्योरिटी-क्लियरेंस' नहीं चाहिए क्योंकि मैं जहां जाता हूं वहां की सिक्योरिटी को खुद क्लियर यानी साफ कर देता हूं.
अरे! अरे, सांपों ने हमसे हथियार छीन लिए हैं.
और अब वे हमारे हथियार हम पर ही तान रहे हैं.
वार करने के लिए, आऽऽऽह.
टिच्यूं
रास्ते का पहला रोड़ा तो हट गया, अब दूसरे रोड़े इस जाली को उखाड़ फेंकता हूं.

हो सकता है नागराज, लेकिन हमको सच्चाई का पता तो लगाना ही है, यह तो बताओ कि तुम इस 'न्यूक्लियर प्लांट' के अंदर क्यों जाना चाहते हो ?
मैंने पूरा प्लांट 'स्कैन' कर लिया है, अंदर कोई आतंकवादी नहीं छिपा हुआ है
ओ, यानी... खबर झूठी थी दोस्तो, मेरी वजह से तुमको तकलीफ हुई,
वो... मुझे अंदर कुछ आतंकवादियों के होने की खबर मिली है.
कोई बात नहीं, नागराज, अब हमारी तसल्ली के लिए हमारे साथ चलो, हम तुम्हारा चेकअप करके यह पक्का कर लेना चाहते हैं कि तुम ठीक हो या नहीं.
बस, बहुत हो गया, नागराज को कोई भी आदेश नहीं देता है, खैरियत चाहते हो तो यहां से चले जाओ मैं अभी तुमसे लड़ने के मूड में नहीं हूं.
पर हमारा मूड तो बहुत अच्छा है, अब तो हम तुमको अपने साथ ले ही चलेंगे.
गप-शप करने के बीच.

तुम्हारी करेंट तो इस पर कुछ सेकंडों के लिए असर करेगी स्टील...
...लेकिन मेरा ग्रेनेड लांचर नागराज के शरीर में इतना बड़ा छेद कर देगा कि उसको भरने में इसके सांपों को कई मिनट लग जायेंगे. उतनी देर तक ये तड़पता रहेगा, और हम इसको आराम से काबू में कर लेंगे
आऽऽऽह, मैं हार मानता हूं. अगर मुझे पकड़ लो, मैं एक साथ तुम तीनों का मुकाबला नहीं कर सकता.
धड़ाक
जब तक वे बाहर निकलने का कुछ इंतजाम करेंगे, तब तक मैं तेरा इंतजाम कर लूंगा, डोगा.
लेकिन एक-एक करके कर सकता हूं.
हा हा हा. डेथ नागराज की तरफ कदम बढ़ाने के अंजाम मेरे सर्पों ने सुरंग खोदकर दो हीरोज को तो जमीन में घुसेड़ दिया है!
आऽऽऽह, नागराज की अद्भुत शारीरिक शक्ति से मुझे बचना होगा.

तुझे बंधनों में बांधूंगा. सर्प-बंधनों में
मेरे सांप मुझ तक पहुंच ही नहीं पायेंगे, नागराज,
के दोस्त हैं...
...तो कुत्ते डोगा के यार हैं
...और बारूद डोगा की ताकत है.
देख, तूने अपना पैर डोगा द्वारा बिछाई गई 'लैंड-माइन' पर रख दिया है.
...कहां पर प्रकट होऊंगा, यह तू कभी पता नहीं लगा सकता.
तू मुझको अभी पकड़ नहीं सकता डोगा, क्योंकि मैं तेरी गोली से बचने के लिए गायब होकर...
आSSSSह.

इस भूल में मत रहना नागराज! डोगा की नजरों से...

...कुछ भी नहीं छिप सकता है.

आऽऽऽह.

तूने मेरी प्रकट होने वाली जगह का पता कैसे लिया?

तू अपने आपको गायब कर छुपा सकता है नागराज, लेकिन अपनी महक को नहीं.

मेरे कुत्ते तेरी गंध सूंघकर तेरी स्थिति पर लगातार नजर रखे हुए हैं.

लड़ाई लंबी खिंच रही है, स्नीम और परमाणु कभी भी बाहर आकर इस लड़ाई में शामिल हो सकते हैं. इसके मॉस्क के कारण विष फुंकार भी इस पर खास असर नहीं करेगी इसकी ताकत को नष्ट करना पड़ेगा और यह काम नागफनी सर्पों की मदद से किया जा सकता है.

मेरे कांटेदार सर्पों को अपने आपको काट नहीं दूंगा नागराज!

आऽऽऽह.

बचते-बचते भी ये कुछ कांटें मेरे बाजू में धंसा ही गया, लेकिन डोगा कांटे तो क्या, गोली का घाव भी सह सकता है.

इन मामूली कांटों का दर्द इस फौलादी जिस्म पर कोई असर नहीं डालेगा, नागराज.

आऽऽऽह.

डालेगा डोगा, डालेगा. ये कांटे तुझे कष्ट पहुंचाने के लिए नहीं, बल्कि उन खास नसों का रक्त संचार अवरुद्ध करने के लिए तेरे शरीर में धंसाए गए हैं, जो तेरी मांसपेशियों को ताकत देते हैं.

अब तेरे हाथ-पैर सुन्न हो गए हैं डोगा; और अब मेरा एक ही घूंसा तुझे होश की सीमा के पार ले जाने के लिए काफी है.

डोगा, नागराज की इस अद्भुत चाल का शिकार हो गया था-

बस, नागराज! अब तेरी कोई चाल नहीं चलेगी
अगर देर से आते तो कुछ समय तक और जी लेते जल्दी आकर तुमने अपनी जिन्दगी और छोटी करली है ...
आssssह!
अगर तेरे नागों ने मुझे सुरंग के नीचे पकड़कर न रखा होता तो मैं और जल्दी आ जाता।
तूने मुझे नागरस्सी द्वारा पकड़कर गलती कर दी है नागराज! अब इसी नागरस्सी के सहारे मैं तुझको हवा में उड़ाकर एक ऐसी 'एनर्जी-प्रिजन' में ले जाऊंगा, जहां से तेरी कोई भी शक्ति तुझको बाहर नहीं निकाल पायगी!

तू तो शेखचिल्ली की तरह बहुत आगे तक का प्रोग्राम सोच गया परमाणु, जबकि तुझे मेरे सपने से जागने के लिए सिर्फ ये नागरस्सी तोड़नी पड़ेगी
तू मुझे परमाणु रस्सी में जकड़ेगा कैसे? मैं अदृश्य होकर तुरन्त आजाद... आऽऽऽह.
फिर से बिजली का झटका मुझको इच्छाधारी कणों में बदलने से रोक रहा है. इस बार ये झटका मुझे कौन दे रहा है.
शेखचिल्ली की सोच से तो तू काम ले रहा है नागराज. तू हवा में तो है ही इधर तू नाग-रस्सी तोड़ेगा, उधर मैं तुझको परमाणु रस्सी में जकड़ लूंगा.
इस बार भी ये काम मेरा ही है नागराज. मैं भी तुम्हारी सुरंग से बाहर आ गया हूं.
उँऽऽऽह. इस स्थिति में मेरे कोई वार इस तक नहीं पहुंच पाएंगे, और ये मेरे चारों तरफ परमाणु कणों की एक कैद बनाता चला जाएगा. एक बार मैं इस कैद में फंस गया तो बाहर निकलना असंभव होगा।

अगर मैं किसी तरह से परमाणु तक पहुंच सकूं तो इसको एक घूंसे में बेहोश कर सकता हूं, लेकिन परमाणु मुझको अपने तक पहुंचने देगा ही नहीं, ...
... लेकिन परमाणु तक पहुंच जाने से ही बात बनेगी, अगर मैं परमाणु तक नहीं पहुंच सकता तो परमाणु को अपने पास तक लाना होगा.
इन नागों को मेरे पैर पकड़ाने से कुछ नहीं होगा नागराज! इनके दांत मेरी एस्बेस्टस की पोशाक को छेद नहीं सकते.
और न ही इनका वजन मेरी गति को कम कर सकता ...
... अरे! ये अपने सांपों से तू क्या बना रहा है?
पैराशूट.
जब ये खुलेगा तो तेरी उड़ने की गति एकाएक कम हो जाएगी लेकिन मेरी गति वैसी ही रहेगी.
और तब मेरा घूंसा तेरे जबड़े तक आराम से पहुंच सकेगा.

होश खोते ही परमाणु का शरीर, बिना पंख के पक्षी की तरह नीचे आ गिरा-
लेकिन मेरे पास इसको परमाणु संयंत्र में घुसने से रोकने के लिए पर्याप्त शक्तियां मौजूद हैं.
कानून का रखवाला इंस्पेक्टर स्टील, नागराज को कानून नहीं तोड़ने देगा!
ओह, परमाणु भी नागराज की चाल का शिकार हो गया है.
अब नागराज को रोकने की जिम्मेदारी सिर्फ मुझ पर आ पड़ी है.
अब सबसे खतरनाक दुश्मन मेरे सामने है. इसके रोबोटिक शरीर पर न तो मेरी विषैली फुंकार कुछ असर डाल पाएगी और न ही ध्वंसक सर्प इसके फौलादी कवच को तोड़ पाएंगे.
लेकिन इसके वार मुझे नुकसान पहुंचा सकते हैं.

और ये काम मैं बड़े आराम से कर सकता हूं, मुझको सिर्फ इस लॉब को तोड़ देना है जो 'परमाणु विखंडन' की प्रक्रिया को नियंत्रित कर रहा है. इस स्विच को तोड़ने से प्रतिक्रिया अनियंत्रित हो जाएगी और ये पूरा परमाणु संयंत्र एटम बम की तरह फट पड़ेगा...
... अरे, ये... ये मैं क्या सोच रहा हूं? क्या हो गया है मुझको? ऐसा करने से तो करोड़ों जीवन काल के गाल में समा जाएंगे.
नागराज का अच्छा रूप उसके बुरे रूप पर हावी होने की पूरी कोशिश कर रहा था-
और इस दृश्य ने पोल्का को एक बार फिर चिन्ता में डाल दिया था-
मैंने अच्छा किया जो अपने सिस्टम को परमाणु संयंत्र के 'क्लोज सर्किट टी.वी. सिस्टम' से जोड़ लिया, वर्ना हमको नागराज की हालत सुधरने का पता ही नहीं चलता.
कुछ करो पोल्का, नागराज जल्दी ही अपने आप पर काबू पा लेगा.
नागराज का दिमाग अच्छे और बुरे विचारों के बीच में झूल रहा था-
और उसकी इस अनिश्चय की स्थिति ने स्टील को ऊपर वार करने का मौका दे दिया था
ऐसा अगर हुआ तो मैं नागराज पर रेडियोएक्टिव किरण का एक बार फिर वार करूंगी, और इस बार मैं इसको डबल डोज दूंगी;
... अगर तुम इच्छाधारी कणों में परिवर्तित हुए तो ये रेडियो एक्टिविटी तुमको सामान्य रूप में शायद दुबारा जुड़ने न दें.
जो आदमी इच्छाधारी कणों में बदल सकने की क्षमता रखता है, उसको तुम्हारे ये बंधन भला क्या बांध पाएंगे, स्टील.
यहां पर इच्छाधारी कणों में बदलने की भूल करना भी मत नागराज, यहां पर चारों तरफ रेडियो एक्टिविटी फैली हुई है...

तुझे मुझसे सिर्फ तेरी इच्छाधारी शक्ति ही बचा सकती थी नागराज, लेकिन उसका प्रयोग तू नहीं कर सकता, अब अपने आपको कानून के हवाले कर दे
और ये सर्प छोड़ने की बेकार मेहनत बंद कर दे, ये मुझ पर कोई असर नहीं डाल पाएंगे, अब ने मेरे मशीनी बदन में सीलबंद सर्किट भरे हैं, जहां तक तुम्हारे सूक्ष्म सर्प भी नहीं पहुंच सकते
अरे! अरे! ये तार मेरे शरीर के चक्कर क्यों काट रहे हैं?
ये चक्कर यूं ही नहीं काट रहे हैं, ये यहां पर मौजूद तारों को काटकर तेरे बदन पर लपेट रहे हैं।
जिनमें जब करेंट दौड़ेगी तो तार की कुंडली, चुंबकीय फील्ड पैदा करेगी और ये चुंबकीय क्षेत्र तेरे सर्किटों में व्यवधान पैदा कर देगा. तेरी ताकत खत्म हो जाएगी स्टील...
... और तब मैं पावर विखंडन को नियंत्रित करने वाली नॉब को तोड़ने का मौका तुम्हारे बदन को ही दूंगा.
POWER
अऽऽऽह, ये तूने क्या किया नागराज, अब ये प्लांट एटम बम की तरह फटेगा, तुम भी नहीं बचोगे!
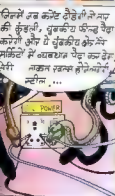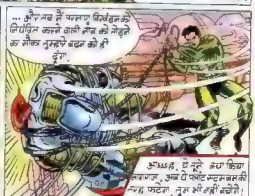
वैसे तो मेरा प्लान इच्छाधारी कणों में बदलकर बचने का था, लेकिन तूने मुझे डरा दिया, इसलिए मैंने अपने बचने के लिए सर्पों से ये सुरंग खुदवा ली थी, पर मैं तुझे इसमें घुसने नहीं दूंगा.

और महानगर के विनाश की घड़ी आ गई थी-

वाह, क्या नजारा है. मजा आ गया. इस पल का तो मुझको सालों से इंतजार था.

ये काम सिर्फ नागराज ही कर सकता था, उसने इस धमाके के रूप में आतंकवाद का नगाड़ा पूरी दुनिया में बजा दिया है. लेकिन नागराज कहां है? उसको ढूंढो! मेरे सामने लाओ उसको, अब हम पक्के दोस्त बन गए हैं.

ये रहा नागराज. मैं अभी इसको यहां पर लाने का इंतजाम करती हूं.

मुश्किल... लेकिन... नागराज के पास से अभी भी सिग्नल आ रहा है, इसका मतलब है कि वो अभी भी ज़िंदा है ! नागराज को जल्दी से जल्दी इस मुश्किल से बचाकर यहां पर आना होगा.
नागराज, अपने द्वारा फैलाए गए इस विनाश को देखकर कभी उदास हो रहा था और कभी खुश-
ओफ़ ! ये मैंने क्या कर डाला. करोड़ों प्राणियों की जानें ली मैंने. अब तो मुझे खुद भी जीने का कोई अधिकार नहीं है.
लेकिन बुरा रूप खुश-
लेकिन मैंने जो किया, अच्छा किया. अब हर इंसान मेरे नाम से थर-थर कांपेगा. पूरी दुनिया सलाम करेगी मुझको.
उसके अच्छे और बुरे रूप में द्वंद्व चल रहा था-
अच्छा रूप उसे उदास कर रहा था
नहीं बेटा.
डर से किया गया सलाम, इज़्ज़त की निशानी नहीं होता. वैसे अद्भुत है तुम्हारी इच्छाशक्ति. जो अपने ही दिमाग से लड़ सकता हो वह महान होता है. अपनी महानता को पहचानो नागराज. अब मैं तुम्हारी मदद करने के लिए तुम्हारे साथ हूं.
नागराज को मदद नहीं चाहिए.
पर तुम हो कौन जो मेरी मदद करना चाहता है?
देखो मुझे, पहचानो मुझे कि मैं कौन हूं.
हां, गोरखनाथ, मैंने वर्षों पहले तुम्हारे मस्तिष्क से उस 'कैप्सूल' को निकालकर तुमको स्वस्थ किया था, जो तुमको आतंकवाद का साथी बना रहा था.

परन्तु उस वक्त मुझे यह पूर्ण विश्वास नहीं हो पाया था कि मैंने तुमको पूरी तरह से स्वस्थ कर दिया है; क्योंकि उस कैप्सूल ने तुम्हारे मस्तिष्क के एक भाग को क्षतिग्रस्त कर दिया था. उस भाग के जाग्रत होने पर तुम कभी भी फिर से आतंकवाद के रास्ते पर चल सकते थे. मुझे उम्मीद थी कि समय गुजरने पर क्षतिग्रस्त भाग अपने आप स्वस्थ हो जायगा; परन्तु फिर भी मैंने शिकांगी को तुम पर नजर रखने के लिए छोड़ दिया था. उसके पश्चात मैं साधना के लिए हिमालय पर चला गया था.

समस्या तो तुम मेरे लिए बन गए हो, गोरखनाथ। मैं कोई बीमार नहीं हूं जिसका तुम इलाज कर सको.

और इतने वर्षों के बाद मेरी यह सतर्कता काम आई. तुम्हारे इस गुप्त राज को जानकर अपराधियों ने फिर तुमको भटकाने की कोशिश की है. आज मैं तुम्हारे मस्तिष्क के उस भाग को ही निकाल दूंगा. फिर ये समस्या हमेशा के लिए समाप्त हो जायगी.

पिछली बार जब हम टकराए थे तो उस वक्त मेरी शक्तियां सीमित भी थीं और मुझे उनका सही प्रयोग भी नहीं आता था. पर अब बात कुछ और है...

...अब मेरे पास असीमित इच्छाधारी नाग हैं. और वे सब मेरी इच्छा का पालन करने के लिए बाध्य हैं.

तुम्हारी इन मामूली शक्तियों से तो शिकांगी ही निपट लेगा; मेरी जादुई शक्तियों युक्त नेवला शिकांगी.

अगर इसकी शक्तियां जादुई हैं तो मेरी ईश शक्तियां भी प्रभु महादेव के आशीर्वाद के कारण हैं. देखते हैं कि किस पर किसकी शक्तियां हावी होती हैं.

ओह! अद्भुत शक्तियों युक्त नाग प्राप्त कर लिए हैं तुमने नागराज. अब मुझको शाबर मंत्रों का प्रयोग करना पड़ेगा।
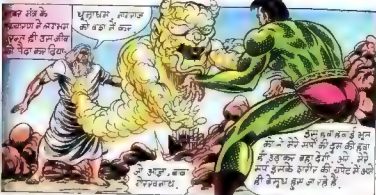
मंत्र के उच्चारण ने लगभग तुरन्त ही उस जीव को पैदा कर दिया.
धूम्राधम, नागराज को वश में कर
उफ! हवा बवंडर भूत का ये मेरे सर्पों की दुम की हवा में उड़ाकर बहा देगी. अरे, मेरे सर्प इसके शरीर की चपेट में आते ही बेसुध हुए जा रहे हैं.
जो आज्ञा, बाबा गोरखनाथ.
यही धूम्राधम की शक्ति है. यह सर्पों को नष्ट कर देता है और सर्प ही तुम्हारी शक्ति हैं. अब ये तुमको चारों तरफ से घेरकर तुम्हारे रोमछिद्रों के द्वारा तुम्हारे शरीर में प्रविष्ट होकर तुम्हारे सर्पों को नष्ट करेगा और तुम शक्तिहीन हो जाओगे. फिर तुम्हारी शल्य चिकित्सा करके मैं तुमको हमेशा के लिए ठीक कर दूंगा.
आह. ये धूम्राधम मेरे शरीर में घुसता जा रहा है... मेरे सर्पों को नष्ट कर रहा है... पर कमजोरी छा रही है
और इसको अपने शरीर से अलग कर पाना असंभव काम है.
काश मेरे पास यहां पर वैक्यूम क्लीनर होता तो इसको उसमें खींचकर कैद कर लेता... अरे, मिल गया रास्ता.
ये पतली सी सुरंग काफी गहरी लग रही है. ये बचाएगी मुझे. बस मुझको एक ऐसी चट्टान चाहिए जो इसके मुंह पर फिट हो सके.
ये चट्टान मेरे काम की लग रही है
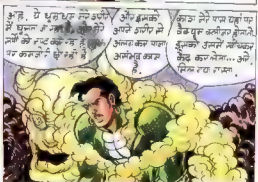
नागराज की उस किक ने पथरीले गोले को सुरंग के मुंह पर ला पटका-

और फिर नागराज ने उस सुरंग के पास पहुंचकर-

उस चट्टान को सुरंग के रास्ते जमीन की तरफ रवाना कर दिया-

नीचे लुढ़कती चट्टान, ऊपर की हवा को ऐसे खींचती चली गई, जैसे वह चट्टान न हीं, साइकिल पंप का पिस्टन हो-

गोरखनाथ के मंत्रों के कारण चारों तरफ उड़ते पथरीले कण नागराज के शरीर पर तेजी से चिपकने लगे-

और नागराज के ऊपर पत्थर की एक पर्त जमने लगी-

नागराज मूर्ति बनकर बेबस हो गया था-

"... ऑल टाइम ग्रेट टेररिस्ट सुप्रीमो से-"
देखो, पार्टनर मैं इसको बचाकर ले आई उस बूढ़े योगी के शिकंजे से
नागराज, मेरा दाहिना हाथ नागराज. तुमने महानगर का विध्वंस करके मेरा दिल खुश कर दिया है. और अब उसके साथ-साथ तुम एक वांटेड आतंकवादी बन गए हो. अब तुम चाहो तो भी पीछे नहीं जा सकते ..
... भतीजे, तुम्हारा चाचा नागपाशा आतंकवाद की दुनिया में तुम्हारा स्वागत करता है; अब हम और तुम मिलकर तक्षक नगर से हजारों गुना बड़ा राज्य बनाएंगे जिसका राजा होगा नागपाशा! रानी पोलका और राजकुमार नागराज.
तुमसे मिलकर सचमुच बड़ी खुशी हो रही है चाचा. हम पहली बार दोस्तों की तरह मिल रहे हैं. अब तक तो हम जब भी मिले हैं सिर्फ दुश्मनों की तरह.
... लेकिन उसका असली मुजरिम तू है. तूने नागराज को आतंकवादी बन कर ऐसा करने के लिए मजबूर कर दिया.
नागराज को सजा मिलेगी जरूर, लेकिन पहले तेरे साथ तुझे सजा देगा नागराज!
अब हम पहले विनाश फैलाएंगे और जो दुनिया बच जाएगी, उस पर राज करेंगे.
तुम्हारा नामोनिशान-तक नहीं बचेगा, नागपाशा; महानगर का विध्वंस वैसे तो नागराज के हाथों हुआ है...
तू यहां तक आ गया, योगी.
खैर, शिकार खुद हमारी मांद में आ गया है तो हम शिकार कर ही लेते हैं.

ये तुम्हारा नहीं, मेरा शिकार है
तुममें अमर मृत्यु को वरण करने की इतनी तेज इच्छा है तो मैं तेरी इच्छा को अभी पूरी कर देता हूं.
अपनी इस इच्छा को तो मैं खुद भी पूरा नहीं कर पाया, गोरखनाथ. मैं चाहकर भी नहीं मर सकता! अमृत पिया हुआ है मैंने.
नागपाशा अमर है
पर तू अमर नहीं है
देख कि मैं तुम्हें
देता हूं.
आऽऽऽह. ये अवश्य सत्य बोल रहा है.
इतना तीव्र ऊर्जा वार तो वही कर सकता है जिसके शरीर में अमृत का संचार हो रहा हो!
बड़बोलेपन में अपना
बताकर अपना ही नुकसान किया है नागपाशा, अब मैं आसानी से तुम्हें पराजित कर दूंगा.
आ... ये क्या कर रहा है तू? ये तूने मुझ पर क्या फेंका है जो मुझे गलाता जा रहा है? खैर, गलाता है तो गलाए, अमृत मुझको फिर से ठोस बना देगा.

इस बार ऐसा नहीं होगा नागराज, जो विलयक तुमको अपने अंदर घोल रहा है वह सिर्फ तुमको घोलेगा, अमृत को नहीं, ऐसे अमृत और तुम्हारा शरीर अलग-अलग हो जाएंगे, और फिर तुम कभी ठोस नहीं बन पाओगे और तुम्हारा नामोनिशान मिट जाएगा.
नहीं, नहीं ऐसे तो मैं मर जाऊंगा, मुझे बचाओ पोल कुछ करो
लेकिन मेरे पास है.
म... मैं क्या करूं? इस विलयक को रोकने का मेरे पास कोई भी तरीका नहीं है.
सच कहा गुरुदेव, अभी तो मुझे आपसे बहुत कुछ सीखना है
विलयक मुझसे दूर खिंचता जा रहा है. मैं बच गया, मैं बच गया!
तो फिर देख और सीख, देख कि यौगिक शक्तियों को कैसे काम में लाया जाता है
गोरखन थ और गुरुदेव एक-दूसरे से जूझ रहे थे.

और आतंकवाद के इस मुख्य ठिकाने के अंदर कुछ और हलचल हो रही थी-
बस, अब और कोई नहीं बचा है, और मेरी मंजिल मेरे सामने है।
अब धरती को मैं ले उड़ूंगा।
एक-एक करके आतंकवाद की सेना के 'स्वयंभू कमांडर' चित होते जा रहे थे-
ये गया छत्तीसवां आतंकवादी।
गोरखनाथ के लिए काम इतना आसान नहीं था-
ओह, तूने मेरी कुंडलिनी पर वार करके उसको सुला दिया है, मेरी यौगिक शक्तियां लुप्त होती जा रही हैं, मुझे कुंडलिनी को जाग्रत करने के लिए थोड़ा समय चाहिए।
अगर वह ढाल बीच में न आ गई होती तो-
वक्त तुझे कैसे मिल सकता है, गोरखनाथ।
इस धरती पर तेरा वक्त तो खत्म हो चुका है!
वह वार शायद गोरखनाथ का खात्मा कर देता।
फिर इधर कौन...
अरे।
ये... ये सांप कहां से आए? नागराज तो इधर खड़ा है।

भारती के साथ में लिए एक और नागराज! फिर से दो-दो नागराज! इनमें... इनमें से असली कौन सा है?
बस, बहुत एक्टिंग कर ली मैंने! अब तो सच बोलना ही पड़ेगा! भाई नागपाशा जी, मैं नागराज नहीं हूं...
...मैं तो नागू हूं!
नागू!
तू नागू है! और असली नागराज ये है! पर असली नागराज ने अपने दिमाग पर काबू कैसे पाया?
और पोल्का तो असली नागराज को पकड़कर लाई थी! फिर नागराज बदल कैसे गया?
नागराज को मैंने नागू से तभी बदल दिया था जब मेरे वार से मूर्ति बनते वक्त पथरीले कणों का गुबार नागराज को आड़ में छुपाए हुए था! हमको यह पता था कि नागराज पर नजर रखी जा रही है!
यानी ये सब एक सोचा समझा हुआ प्लान था! लेकिन इससे कोई फर्क नहीं पड़ता! नागराज के हाथ करोड़ों जिन्दगियों के खून से रंगे हुए हैं! अब तो ये मुझसे भी बड़ा हत्यारा है!
खंडहरों पर बार-बार नजर क्या डालनी ...
...अरे! महानगर तो सही-सलामत है! यहां तक कि एटॉमिक पॉवर प्लांट भी सुरक्षित है! फिर हमने जो देखा वह क्या था?
वह मेरे द्वारा फैलाई गई योग माया का प्रक्षेपण था, नागपाशा!
तुम हर बात को गलत समझते हो नागपाशा! तुम तो महानगर पर अपनी स्क्रीन के जरिए नजर गड़ाए हुए थे न!
जरा एक बार फिर महानगर पर नजर तो डालो!
यानी नागराज ने कभी एटॉमिक पॉवर प्लांट को नष्ट किया ही नहीं! पर क्यों?
खैर, फिर इतना बड़ा नाटक करने की क्या जरूरत आ पड़ी थी?

हम गोल-गोल बातें करके समय व्यर्थ कर रहे हैं! मैं तुमको पूरी बात शुरू से समझाता हूं! दरअसल नागराज ने महानगर को नष्ट किया ही नहीं! हां, ऐसा वह कर जरूर देता, अगर ज़िकांगी समय रहते सूचना लेकर मेरे पास न पहुंचता, और मैं सही वक्त पर नाभिकीय संयंत्र न पहुंच जाता!

नागराज से मेरा सामना तब हुआ जब वह नाभिकीय संयंत्र के मुख्य नियंत्रण कक्ष में पहुंच गया था और स्टील अभी बाहर ही था... नागराज मुझे देखकर चौंका जरूर, लेकिन मैंने अपना जाल पहले ही बिछा कर रखा हुआ था!

" नागराज उसमें फंसने से अपने-आपको बचा नहीं पाया! मैंने आनन-फानन नागराज के बाकी मस्तिष्क का संपर्क उसके क्षतिग्रस्त मस्तिष्क भाग से काट दिया और नागराज जैसे सोते से जागा! यह सारा काम योगसत्या के आवरण के अंदर किया गया, ताकि तुम इसे देख न सको! मुझे पता था कि नागराज के दुश्मन उस पर नजर रखे हुए होंगे- "

इसीलिए हमने ऐसा करने का फैसला किया ताकि तुमको लगे कि नागराज अभी भी तुम्हारे कंट्रोल में है! नागराज स्टील से लड़ा और योगसत्या ने तुमको ... संयंत्र के फटने और मह... के ... होने का दृश्य भी दिखा ...!

अब समस्या यह थी कि नागराज को तुम्हारे ठिकाने का सही-सही पता नहीं था! इसीलिए यह जरूरी था कि तुम खुद आकर उसको ले जाओ! पर इसमें एक खतरा यह था कि नागराज फिर से तुम्हारा गुलाम बन सकता था क्योंकि मुझे शल्य क्रिया करके मस्तिष्क के क्षतिग्रस्त भाग को बाहर निकालने का मौका नहीं मिला था!

" वैसे तो नागराज तभी तुम्हारा समूल नाश करने निकल पड़ता! लेकिन समस्या भारती की थी! अगर तुमको पता चल जाता कि नागराज ठीक हो गया है तो भारती फिर नागराज को शायद कभी न मिलती- "

इसीलिए जब मेरे और नागराज के युद्ध के कारण पोल्का उसको लेने आई तो मैंने नागू को नागराज के रूप में तुम्हारे साथ भेज दिया! इससे नागराज को भारती को सुरक्षित ढूंढने का समय मिल गया!

अब भारती भी सुरक्षित है और नागराज भी! तुम्हारा आतंकवादी जाल भी छिन्न-भिन्न हो चुका है!

अब आत्मसमर्पण ही एकमात्र रास्ता है! अपने-आपको हमारे हवाले कर दो!
तुम भी तीन हो और हम भी तीन हैं, गोरखनाथ! भारती को तो गिनना या न गिनना बेकार है! अब मुकाबला आर-पार का होगा!
मेरी यांत्रिक शक्तियां जल्दी ही तुमको घुटने टेकने के लिए मजबूर कर देंगी... अरे...
... पूरे कंट्रोल पैनल में विस्फोट कैसे हो रहे हैं! मेरी... मेरी सारी मशीनें नष्ट हो रही हैं!
ये काम मेरे वे ध्वंसक सर्प कर रहे हैं जो मशीनों के अंदर चुपचाप घुसकर बैठ गए थे। समझे गुरुदेव?
समझा नागराज! और अब मैं यह भी समझ गया हूं अब मेरी यांत्रिक शक्ति क्षीण पड़ जाएगी और तुम्हारा पलड़ा भारी हो जाएगा!
लेकिन मैंने ऐसी स्थिति के लिए भी तैयारी करके रखी हुई है!
मेरी कलाई से बंधे यंत्र की मदद से बना यह 'टेलीपोर्टेशन बबल' हमको यहां से सुरक्षित निकाल ले जाएगा!

पर ये हमारी आखिरी मुलाकात नहीं है, नागराज! अब तो हमारी दुश्मनी और भी पक्की हो गई है! हम मिलेंगे और जल्दी ही मिलेंगे!
ओफ्! दुश्मन हाथ से बचकर निकल गया बाबा!
कोई बात नहीं, नागराज! कम से कम तुमने उनके द्वारा फैलाए गए आतंकवाद के पापरूपी वृक्ष का तो समूल नाश कर ही दिया है!...
...अब एक न एक दिन तुम आतंकवाद के इन खलनायकों का भी विनाश जरूर करोगे, ऐसा मुझे पूर्ण विश्वास है!
मुझे भी इस बात का आभास हो रहा है, बाबा कि मेरी और नागपाशा की असली मुलाकात शीघ्र ही होगी, अतिशीघ्र!
समाप्त.